भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 230
सोमवार, 10 अगस्त, 2026 (19 श्रावण 1948 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

जम्मू और कश्मीर में नागर विमानन योजनाएं, परियोजनाओं में विलंब और रोजगार सृजन

***230. श्री गुलाम अलीः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान जम्मू और कश्मीर में क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान, उड़ान 5.0, कृषि उड़ान, डिजी यात्रा और विमानपत्तन अवसंरचना विकास संबंधी परियोजनाओं के कार्यान्वयन का योजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) जम्मू, श्रीनगर, उधमपुर और किश्तवाड़ विमानपत्तन परियोजनाओं में विलंब होने और इन्हें पूरा करने की समय-सीमा में संशोधन किए जाने के कारणों सहित जिला-वार स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) विमानपत्तनों, एयरलाइनों, ग्राउंड हैंडलिंग, पर्यटन और संबद्ध क्षेत्रों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कितना रोजगार सृजित हुआ है; और

(घ) क्या संपर्क, पर्यटन और युवा रोजगार में वृद्धि करने के लिए जम्मू और कश्मीर हेतु नए क्षेत्रीय मार्गों, हेलीपोर्ट और विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं का प्रस्ताव किया गया है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"जम्मू और कश्मीर में नागर विमानन योजनाएं, परियोजनाओं में विलंब और रोजगार सृजन" के संबंध में श्री गुलाम अली द्वारा पूछे गए दिनांक 10.08.2026 के राज्य सभा मौखिक प्रश्न संख्या 230 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) और (ख): 'उड़ान' योजना की शुरुआत से, देशभर में 95 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (17 हेलीपोर्टों और 02 वॉटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले 679 आरसीएस मार्गों को प्रचालनरत किया गया है। 'उड़ान' योजना के तहत बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण के दौरान, जम्मू-बठिंडा और जम्मू-ग्वालियर आरसीएस मार्गों को क्रमशः वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में प्रचालनरत किया गया था। इन मार्गों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में 39.86 करोड़ रुपये की धनराशि संवितरित की गई है।

जम्मू और श्रीनगर हवाईअड्डों पर दिनांक 29.03.2026 को डिजी यात्रा लागू की गई है।

जम्मू हवाईअड्डे पर 680 वर्ग मीटर क्षेत्र में 24,800 मीट्रिक टन की वार्षिक हैंडलिंग क्षमता वाला समर्पित एयर कार्गो टर्मिनल और श्रीनगर हवाईअड्डे पर 1,125 वर्ग मीटर क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज सुविधा के साथ 41,000 मीट्रिक टन की वार्षिक हैंडलिंग क्षमता वाला समर्पित एयर कार्गो सुविधा टर्मिनल और 480 वर्ग मीटर क्षेत्र में 8,700 मीट्रिक टन की वार्षिक हैंडलिंग क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय एयर कार्गो सुविधा स्थापित किए गए हैं। जम्मू और श्रीनगर दोनों हवाईअड्डे कृषि 'उड़ान' योजना के अंतर्गत आते हैं।

जम्मू हवाईअड्डे पर टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मंत्रिमंडल ने श्रीनगर हवाईअड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन के निर्माण और संबद्ध कार्यों (एप्रन का विस्तार, एएआई कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टर, सीआईएसएफ बैरक) के लिए 1667 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। उधमपुर में अंतरिम टर्मिनल भवन का विकास योजना के स्तर पर है। किश्तवाड़ में कोई भी परियोजना नहीं ली गई है।

(ग) अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के 'इकोनोमिक बेनेफिट्स ऑफ सिविल एविएशन: रिपल्स ऑफ प्रोसपेरिटी' शीर्षक अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 है।

(घ) सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक दस वर्षों की अवधि के लिए 28,840 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ दिनांक 04.07.2026 को 'उड़ान' योजना के अगले चरण की शुरुआत की है, जिसमें मौजूदा असेवित हवाईपट्टियों से 100 हवाईअड्डों के विकास के लिए 12,159 करोड़ रुपये का परिव्यय और पर्वतीय, पूर्वोत्तर एवं आकांक्षी (एचआईएनईआर) क्षेत्रों में 200 हेलीपोर्टों के विकास के लिए 3,661 करोड़ रुपये का परिव्यय शामिल है।

'उड़ान' योजना का मुख्य उद्देश्य संपर्क एवं पहुँच में सुधार करना, पर्यटन एवं उद्योग को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच बढ़ाना और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करके असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों को सुदृढ़ करना है।

*****